RNI Regd. No. 7756/59

स्वतंत्र सोच, निष्पक्ष अभिव्यक्ति

67 वां वर्ष

# दण्डकारण्य समाचार

जगदलपुर व रायपुर से एक साथ प्रकाशित

■ जगदलपुर, मंगलवार 20 मई 2025 ■ वर्ष 67 ■ अंक 114 ■ पृष्ठ 12 ■ मूल्य 2.00 ■ संस्थापक - स्व. श्री तुषार कांति बोस

### महुआ पेड़ के नीचे चुकतीपानी गांव में अचानक उतरा मुख्यमंत्री का हेलीकॉप्टर

# काम करो या सस्पेंड होने के लिए तैयार रहो: विष्णुदेव साय

## बैगा समुदाय ने तेंदू फल से भरी टोकरी देकर सीएम का किया स्वागत



रायपुर, 19 मई (एजेंसी)। सरकार कैसा काम कर रही है, सब ठीक है ना। यही जानने आपके घर आया हूं। आप लोगों को सरकारी योजनाओं का लाभ मिल रहा है ना, कुछ दिक्कत परेशानी हो तो बताइए।

ये कहना है मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय का जो सुशासन तिहार के दौरान अचानक ही जीपीएम जिले के चुकतीपानी गांव में हेलीकॉप्टर से पहुंचे। हेलीकॉप्टर देखते है बैगा बाहुल्य गांव में लोगों की भीड़ लग गई और अपने बीच में मुख्यमंत्री को देखकर ग्रामीण हैरान रह गए।

बैगा समुदाय के ग्राम प्रमुख ने मुख्यमंत्री को गुलमोहर की माला पहनाकर उनका स्वागत किया और बैगा ग्रामीण रैता बैगा ने तेंदू फल से भरी टोकरी देकर मुख्यमंत्री का गांव में आने के लिए आभार प्रकट किया। मुख्यमंत्री विष्णु देव साय ने वहां उपस्थित ग्रामीणों से शासकीय योजनाओं के बारे में पूछा। इस दौरान ग्रामीणों की शिकायत पर पीएचई विभाग के सब इंजीनियर को मुख्यमंत्री ने जमकर फटकार भी लगाई। मुख्यमंत्री ने कहा कि या तो काम करो या फिर सस्पेंड होने के लिए तैयार रहो। श्री साय ने इस दौरान पानी टंकी से ओवरफ्लो हो रहे पानी को देखकर पानी की बरबादी करने पर भी नाराजगी जाहिर की। मुख्यमंत्री ने कहा कि हर गरीब को आवास देने का सरकार अपना सबसे बड़ा वायदा पूरा कर रही है और इसी क्रम में चुकतीपानी में भी 179 पीएम आवास स्वीकृत किए गए हैं। महतारी वंदन योजना के बारे में महिलाओं से पूछने पर उन्होंने बताया कि वो योजना के पैसों से स्व सहायता समूह बनाकर काम कर रही है और घरेलू खाद से सब्जियां उगाकर उसे नजदीक के सभी मंडी में बेचकर आय अर्जित कर रही है। स्थानीय महिलाओं ने वर्मी कम्पोस्ट में उगाई गई लाल भाजी को मुख्यमंत्री को भेंट भी किया। इस दौरान मुख्यमंत्री ने ग्रामीणों की मांग पर चुकतीपानी गांव के मिडिल स्कूल का मरम्मत करने की घोषणा की और साथ ही स्कूल के मैदान को मिनी स्टेडियम के रूप में उन्नयन करने की भी घोषणा की।

### लापरवाह अधिकारियों पर गिरी गाज

सुशासन तिहार के दौरान मुख्यमंत्री विष्णु देव साय ने काम में लापरवाही बरतने वाले अधिकारियों पर सख्त कार्रवाई करते हुए दो बड़े निर्णय लिए। मुख्यमंत्री ने मुंगेली जल संसाधन विभाग के कार्यपालन अभियंता आर.के. मिश्रा को तत्काल प्रभाव से निलंबित करने के निर्देश दिए। मुख्यमंत्री ने स्पष्ट किया कि मनियारी जलाशय और पथरिया जलाशय जैसी महत्वपूर्ण सिंचाई परियोजनाएं वर्षों से अधूरी पड़ी हैं, जो लापरवाही का स्पष्ट प्रमाण हैं। मुख्यमंत्री श्री साय ने गौरेला-पेंड्रा-मरवाही जिले के जिला शिक्षा अधिकारी जगदीश कुमार शास्त्री को पद से हटाने के निर्देश दिए गए। मुख्यमंत्री ने कहा कि बोर्ड परीक्षा में जिले का अत्यंत खराब प्रदर्शन जिले में शिक्षा व्यवस्था की गंभीर खामी को दर्शाता है और ऐसी लापरवाही बर्दाश्त नहीं की जाएगी।

## भारत कोई धर्मशाला नहीं, जहां आकर बस जाएं शरणार्थी : सुको

नई दिल्ली,19 मई (एजेंसी)। सुप्रीम कोर्ट ने एक श्रीलंकाई तमिल नागरिक की याचिका खारिज करते हुए एक महत्वपूर्ण टिप्पणी की है कि भारत कोई धर्मशाला नहीं है, जहां दुनिया भर के शरणार्थी आकर बसते चले जाएं। जस्टिस दीपांकर दत्ता ने सुनवाई के दौरान कहा कि जब हमारी अपनी आबादी ही 140 करोड़ से अधिक है, तो क्या भारत दुनिया भर के शरणार्थियों का स्वागत कर सकता है यह कोई धर्मशाला नहीं है, जहां हम दुनिया भर से आए लोगों का स्वागत करें। इसके साथ ही अदालत ने श्रीलंकाई तमिल शख्स को हिरासत में रखे जाने के मामले में हस्तक्षेप करने से इनकार कर दिया। शख्स ने खुद को हिरासत में लिए जाने के खिलाफ सुप्रीम कोर्ट में अपील दायर की थी।

जस्टिस दीपांकर दत्ता और जस्टिस के. विनोद चंद्रन की पीठ इस मामले की सुनवाई कर रही थी। श्रीलंकाई तमिल नागरिक ने मद्रास हाई कोर्ट के उस फैसले को चुनौती दी थी, जिसमें उसकी 7 साल की सज़ा पूरी होने के तुरंत बाद उसे देश छोड़ने का निर्देश दिया गया था। शख्स को यूएपीए (ृक्क) के एक मामले में सात साल कैद की सजा सुनाई गई थी, जो उसने पूरी कर ली थी। हालांकि, सज़ा पूरी होने के बाद भी श्रीलंकाई तमिल ने भारत में ही रहने की इच्छा जताई थी। याचिकाकर्ता के वकील ने अदालत में दलील दी कि उनका मुवक्किल वैध वीजा पर भारत आया था और अगर उसे वापस उसके देश भेजा गया तो उसकी जान को खतरा हो सकता है। वकील ने यह भी बताया कि याचिकाकर्ता को बिना किसी डिपोर्टेशन प्रक्रिया के ही करीब तीन सालों से हिरासत में रखा गया है। इस पर जस्टिस दीपांकर दत्ता ने तीखी टिप्पणी करते हुए पूछा, आखिर आपका यहां बसने का क्या अधिकार है याचिकाकर्ता के वकील ने जवाब दिया कि उनका मुवक्किल एक शरणार्थी है और उसकी पत्नी और बच्चे पहले से ही भारत में रह रहे हैं। इस पर जस्टिस दत्ता ने स्पष्ट किया कि याचिकाकर्ता को भारत छोड़ने का आदेश देना किसी भी तरह से अनुच्छेद 21 (जीवन और व्यक्तिगत स्वतंत्रता का अधिकार) का उल्लंघन नहीं है। जस्टिस दत्ता ने कहा कि अनुच्छेद 19 के तहत भारत में बसने का अधिकार केवल यहां के नागरिकों को प्राप्त है। किसी भी बाहरी व्यक्ति को यह अधिकार नहीं है कि वह आए और यहां आकर बस जाए। जब वकील ने दोबारा जान के खतरे की आशंका जताई, तो जस्टिस दत्ता ने कहा कि वह किसी और देश में जा सकते हैं।

### हाई कोर्ट से रिटायर्ड जजों को मिलेगा वन रैंक, वन पेंशन

नई दिल्ली,19 मई (एजेंसी)। सुप्रीम कोर्ट ने सोमवार को हाई कोर्ट के रिटायर्ड जजों की पेंशन को लेकर एक ऐतिहासिक फैसला सुनाया है। सुप्रीम कोर्ट ने हाई कोर्ट से रिटायर्ड जजों के लिए वन रैंक, वन पेंशन के आदेश दिए हैं। सीजेआई जस्टिस बीआर गवई की बेंच ने यह फैसला सुनाया है। सीजेआई जस्टिस बीआर गवई की बेंच ने अपने फैसले में कहा, चाहे उनकी प्रारंभिक नियुक्ति का स्रोत कोई भी हो, चाहे वह जिला न्यायपालिका से हो या वकीलों में से हो, उन्हें प्रति वर्ष न्यूनतम 13.65 लाख रुपए पेंशन दी जानी चाहिए। सर्वोच्च अदालत ने अपने फैसले में कहा कि हम मानते हैं कि एडिशनल जजों के परिवार के सदस्यों को भी वे सभी लाभ मिलेंगे, जो हाई कोर्ट के जजों के परिवारों को मिलते हैं।

### पाकिस्तान के निशाने पर था स्वर्ण मंदिर, सेना ने नाकाम की मिसाइल हमले की साजिश

अमृतसर,19 मई (एजेंसी)। जम्मू-कश्मीर के पहलगाम में 22 अप्रैल को हुए आतंकी हमले के बाद भारत ने 'ऑपरेशन सिंदूर' के तहत पाकिस्तान में मौजूद आतंकी ठिकानों को निशाना बनाकर तबाह कर दिया। इस कार्रवाई से बौखलाए पाकिस्तान ने जवाबी कार्रवाई के तहत भारत पर कई ड्रोन और लंबी दूरी की मिसाइलें दागीं। हालांकि, भारत के अत्याधुनिक एयर डिफेंस सिस्टम ने पाकिस्तान की सभी कोशिशों को विफल कर दिया। भारतीय सेना ने सोमवार को एक विशेष प्रदर्शन के जरिए बताया कि किस तरह आकाश मिसाइल प्रणाली, एल-70 एयर डिफेंस गन और अन्य तकनीकों के माध्यम से अमृतसर के स्वर्ण मंदिर और पंजाब के अन्य शहरों को पाकिस्तान के हमलों से सुरक्षित रखा गया।

### रूस ने यूक्रेन पर किया अब तक का सबसे बड़ा हमला

कीव ,19 मई (एजेंसी)। रूस द्वारा यूक्रेन पर अब तक का सबसे बड़ा हवाई हमला किया गया है। जानकारी में सामने आया है कि रूस ने यूक्रेन पर करीब 273 ड्रोन दागे है। जिस कारण वहां हर तरफ तबाही का मंजर है। यूक्रेन की वायु सेना के अनुसार, रूस ने अधिकतर हमले कीव के केंद्रीय क्षेत्र और देश के पूर्वी हिस्सों ड्निप्रोपेत्रोव्स्क व डोनेस्क क्षेत्रों को निशाना बनाया। इससे पहले फरवरी 2025 में रूस ने 267 ड्रोन हमले किए थे, जो तब का रिकॉर्ड था। हाल ही में इस्तांबुल में रूस-यूक्रेन के बीच तीन साल बाद हुई शांति वार्ता विफल रही। दोनों पक्षों ने केवल कैदियों के आदान-प्रदान का समझौता किया, लेकिन युद्ध विराम पर कोई सहमति नहीं बन पाई।

## चप्पल से निकला 3.86 करोड़ का सोना

### मुंबई एयरपोर्ट पर विदेशी नागरिक गिरफ्तार

मुंबई ,19 मई (एजेंसी)। राजस्व खुफिया निदेशालय (डीआरआई) ने सोने की तस्करी पर बड़ी कार्रवाई करते हुए अदीस अबाबा से मुंबई के छत्रपति शिवाजी महाराज अंतर्राष्ट्रीय हवाई अड्डे पहुंचे चाड के एक नागरिक को गिरफ्तार किया। इसके पास से 3.86 करोड़ रुपये मूल्य का 4,015 ग्राम सोना जब्त किया गया, जिसे उसने अपनी चप्पलों की एड़ी में छिपाकर रखा था। विशेष खुफिया सूचना के आधार पर कार्रवाई करते हुए, डीआरआई के अधिकारियों ने मुंबई पहुंचने के तुरंत बाद ही चाड के नागरिक को पकड़ा। उसने बेहद चतुराई से चप्पल की एड़ी में सोने के कई %बार% छुपा रखे थे।

अधिकारियों ने इसकी जानकारी देते हुए बताया कि चाड के नागरिक ने सीमा शुल्क जांच और कानूनी पहचान से बचने के लिए असामान्य तरीके से सोना छिपाया था। सीमा शुल्क अधिनियम, 1962 के प्रावधानों के तहत सोने को जब्त कर लिया गया और यात्री को गिरफ्तार कर लिया गया।

अधिकारियों ने कहा कि तस्करी किया गया सोना किसके पास ले जाया जा रहा था या किसने इसे मंगाया था, उसका पता लगाने के लिए जांच चल रही है। यह भी जांच का विषय है कि क्या यह घटना किसी व्यापक तस्करी नेटवर्क से जुड़ी है। अप्रैल 2025 के एक पहले के मामले में, डीआरआई मुंबई ने बैंकॉक से छत्रपति शिवाजी महाराज अंतर्राष्ट्रीय हवाई अड्डे पहुंचे एक यात्री से 6.30 करोड़ रुपये का विदेशी मूल का सोना जब्त किया था। यात्री के सामान के विशेष रूप से डिजाइन किए गए डिब्बों में छिपा हुआ सोना भी सीमा शुल्क अधिनियम के तहत जब्त कर लिया गया, और व्यक्ति को तुरंत गिरफ्तार किया गया था। डीआरआई अंतर्राष्ट्रीय प्रवेश बिंदुओं पर कड़ी निगरानी बनाए रखता है, कीमती धातुओं और अन्य प्रतिबंधित वस्तुओं की तस्करी के प्रयासों को विफल करने के लिए खुफिया जानकारी एकत्र करने और निगरानी के संयोजन का उपयोग करता है। एजेंसी ने ऐसे अपराधों पर नकेल कसने की अपनी प्रतिबद्धता दोहराई, जो आर्थिक स्थिरता और सीमा सुरक्षा के लिए गंभीर खतरा पैदा करते हैं।

### कर्नल सोफिया पर आपत्तिजनक टिप्पणी करने वाले मंत्री को सुको ने लगाई फटकार

नई दिल्ली ,19 मई (एजेंसी)। कर्नल सोफिया कुरैशी पर आपत्तिजनक टिप्पणी करने के मामले में एफआईआर का सामना कर रहे मध्य प्रदेश के मंत्री विजय शाह की मुश्किलें बढ़ती नजर आ रही हैं। सुप्रीम कोर्ट ने विजय शाह के खिलाफ तीन वरिष्ठ आइपीएस अधिकारियों की एसआइटी से जांच कराने के आदेश दिये हैं। हालांकि कोर्ट ने जांच में सहयोग करने की शर्त पर फिलहाल विजय शाह की गिरफ्तारी पर रोक लगा दी है लेकिन उनकी टिप्पणियों पर बेहद आपत्ति जताई। कोर्ट ने कहा कि बयान से पूरा देश शर्मसार है। ये आदेश न्यायमूर्ति सूर्य कांत और एन कोटिश्वर सिंह की पीठ ने विजय शाह की मध्य प्रदेश हाई कोर्ट के एफआइआर दर्ज करने के आदेश को चुनौती देने वाली याचिका पर सुनवाई के दौरान सोमवार को दिये। विजय शाह ने आपरेशन सिंदूर में मीडिया को ब्रीफ करने वाली कर्नल सोफिया के बारे में आपत्तिजनक बयान दिया था जिसके बाद मध्य प्रदेश हाई कोर्ट ने मामले में स्वतः संज्ञान लेते हुए एफआइआर दर्ज करने के आदेश दिये थे। जिसके खिलाफ विजय शाह सुप्रीम कोर्ट पहुंचे हैं। सुप्रीम कोर्ट ने कहा कि एक विशेष जांच दल , जिसमें मध्य प्रदेश राज्य से बाहर के तीन वरिष्ठ आईपीएस अधिकारी होंगे, भाजपा मंत्री कुवंर विजय शाह के खिलाफ कर्नल सोफिया कुरैशी पर की गई टिप्पणी के संबंध में दर्ज एफआईआर की जांच करेगा।

## पंजाब में बब्बर खालसा के 15 ठिकानों पर छापेमारी, आतंकी नेटवर्क से जुड़े सबूत जब्त




अमृतसर,19 मई (एजेंसी)। प्रतिबंधित खालिस्तानी आतंकवादी संगठन बब्बर खालसा इंटरनेशनल के खिलाफ अपनी कार्रवाई को तेज करते हुए राष्ट्रीय जांच एजेंसी ने शुक्रवार को पंजाब के चार जिलों में स्थित 15 ठिकानों पर व्यापक छापेमारी की। यह कार्रवाई गैंगस्टर हरप्रीत सिंह उर्फ हैप्पी पैशन और अमेरिका समेत विभिन्न देशों में सक्रिय बीकेआई के कार्यकर्ताओं के नेटवर्क के विरुद्ध की गई। ग्रेनेड हमले के तार विदेशों से जुड़े

एनआईए की यह कार्रवाई पंजाब के गुरदासपुर, बटाला, अमृतसर और कपूरथला जिलों में की गई। यह छापेमारी विशेष रूप से गुरदासपुर जिले के एक पुलिस स्टेशन पर दिसंबर 2023 में हुए हैंड ग्रेनेड हमले के सिलसिले में की गई, जिसकी योजना पाकिस्तान स्थित खालिस्तानी आतंकवादी हरविंदर सिंह उर्फ रिंदा द्वारा रची गई थी। रिंदा का करीबी सहयोगी हैप्पी पैशन, इस हमले का प्रमुख मास्टरमाइंड माना जा रहा है। एनआईए के अनुसार, इस ग्रेनेड हमले की योजना हैप्पी ने अपने सहयोगी शमशेर सिंह शेरा उर्फ हनी और अन्य साथियों के साथ मिलकर बनाई थी। पहले से गिरफ्तार आरोपी शमशेर की गिरफ्तारी के बाद हुई पूछताछ में यह खुलासा हुआ कि यह नेटवर्क विदेश से संचालित हो रहा था और भारत में स्थित एजेंटों के माध्यम से आतंकी गतिविधियों को अंजाम देने की योजना बना रहा था।

एजेंसी ने छापेमारी के दौरान बड़ी मात्रा में डिजिटल डिवाइस, मोबाइल फोन, संदिग्ध दस्तावेज और अन्य आपत्तिजनक सामग्री जब्त की है। यह सामग्री आतंकी नेटवर्क के वित्त पोषण, प्रशिक्षण और स्थानीय स्तर पर आतंकी वारदातों को अंजाम देने की साजिश से संबंधित हो सकती है। एनआईए अधिकारियों के अनुसार, इस नेटवर्क का उद्देश्य भारत में आतंकी हमलों को अंजाम देना था। इसमें भारत में मौजूद कार्यकर्ताओं की भर्ती कर उन्हें प्रशिक्षण देना, धन, हथियार और विस्फोटक सामग्री उपलब्ध कराना शामिल था। इन गतिविधियों को पाकिस्तान समेत विभिन्न विदेशी ठिकानों से अंजाम दिया जा रहा था।

एनआईए की जांच में यह बात भी सामने आई है कि इस नेटवर्क का संचालन अमेरिका, पाकिस्तान और अन्य देशों में स्थित क्क्षद्ब के सदस्य कर रहे थे। वे भारत में आतंकवादी साजिशों को अंजाम देने के लिए युवाओं की भर्ती और कट्टरपंथीकरण का अभियान चला रहे थे। इसके लिए सोशल मीडिया, एन्क्रिप्टेड ऐप्स और हवाला नेटवर्क का सहारा लिया गया।

### आज का इतिहास

नयी दिल्ली 19 मई (वार्ता) भारतीय एवं विश्व इतिहास में 20 मई की महत्त्वपूर्ण घटनाएँ इस प्रकार है।

1217 : पहले बैरन युद्ध के अंतिम भूमि युद्ध में, विलियम द मार्शल ने फ्रांस के राजकुमार लुई को इंग्लैंड से बाहर निकाल दिया।

1217: लिंकन की लड़ाई में, फर्स्ट बैरन्स वॉर की अंतिम भूमि लड़ाई, विलियम मार्शल ने फ्रांस के राजकुमार लुइस को ऑग्लैंड से बाहर निकाल दिया।

1609: थॉमस थोरपे ने शेक्सपियर के आग्नेयनेट्स शीर्षक पृष्ठ चित्र की पहली प्रतियां, संभवतः विलियम शेक्सपियर के अनजाने के बिना प्रकाशित कीं।

### बहुत खूब

प्रदेश के सरकारी शिक्षिका ने पाकिस्तान सेना के पक्ष में किया पोस्ट, सस्पेंड

## वाराणसी के भूतहा ब्रिज का रहस्य, रात में सुनाई देती हैं चीखें

नई दिल्ली, 19 मई (एजेंसी)। वाराणसी, जिसे काशी और बनारस के नाम से भी जाना जाता है, न केवल अपनी आध्यात्मिकता और गंगा घाटों के लिए मशहूर है, बल्कि कुछ रहस्यमयी कहानियों के लिए भी मशहूर है। इनमें से एक है कैंट इलाके में स्थित एक पुराने ब्रिज की कहानी, जिसे स्थानीय लोग अब भूतहा ब्रिज कहने लगे हैं। इस ब्रिज के बारे में ऐसी अफवाहें हैं कि रात के समय यहां से गुजरने वाले लोग अजीब आवाजें सुनते हैं और कुछ को डरावनी छायाएं दिखाई देती हैं। क्या ये सिर्फ दिमाग का वहम है या वाकई इस ब्रिज के पीछे कोई भूतिया सच्चाई छिपी है।

स्थानीय लोगों के अनुसार, ये ब्रिज, जिसे आधिकारिक तौर पर कैंट ओवरब्रिज कहा जाता है, दशकों पुराना है। कहा जाता है कि 1960 के दशक में इस ब्रिज के निर्माण के दौरान कई मजदूरों की जान गई थी। कुछ का मानना है कि उन मजदूरों की आत्मायें आज भी यहां भटकती हैं। हाल ही में सोशल मीडिया पर इस ब्रिज की कहानियां वायरल हो रही हैं। एक स्थानीय युवक ने दावा किया कि उसने रात में ब्रिज पर एक सफेद साड़ी में लिपटी छाया देखी जो अचानक गायब हो गई। इन कहानियों ने लोगों में इतना डर पैदा कर दिया कि कई लोग रात में इस ब्रिज से बचने के लिए लंबा रास्ता चुनते हैं। पुलिस ने इन अफवाहों को गंभीरता से लिया है और हाल ही में ब्रिज पर रात में गश्त बढ़ा दी है। कैंट थाने के एक अधिकारी ने बताया, हमें कई शिकायतें मिलीं कि लोग यहां डर महसूस करते हैं। हमने जांच की लेकिन अभी तक कोई ठोस सबूत नहीं मिला है। ये अफवाहें हो सकती हैं लेकिन हम इसे हल्के में नहीं ले रहे। पुलिस ने यह भी कहा कि रात में ब्रिज पर असामाजिक तत्वों की मौजूदगी की संभावना से इनकार नहीं किया जा सकता, जो डर का कारण हो सकते हैं।

### ट्रेन टिकटों पर ऑपरेशन सिंदूर मोदी की फोटो छापना शर्मनाक : कांग्रेस

नयी दिल्ली, 19 मई (एजेंसी)। कांग्रेस ने कहा है कि सरकार संवेदनशील मुद्दों को भी प्रचार के रूप में इस्तेमाल कर रही है और इसी का परिणाम है कि रेल टिकटों पर प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी और ऑपरेशन सिंदूर की फोटो लगाई जा रही है। कांग्रेस ने कहा ट्रेन के टिकट पर ऑपरेशन सिंदूर और नरेंद्र मोदी की फोटो छापी जा रही है। ऑपरेशन सिंदूर-आतंक के खिलाफ भारत का करारा जवाब था। हमारे जांबाज सैनिकों के शौर्य और पराक्रम की गाथा थी। लेकिन मोदी सरकार ऐसे संवेदनशील मुद्दे पर भी प्रचार करने से बाज नहीं आ रही है। पार्टी में इसे सरकार की असंवेदनशीलता करार दिया और कहा कि वह हर मौके का इस्तेमाल खुद के प्रचार के लिए करती है। इससे पहले श्री मोदी कोविड वैक्सीन के सर्टिफिकेट, खाद के बोरे, अनाज के थैले और बच्चों के बैग पर अपनी फोटो छपवा चुके हैं। ये बेहद शर्मनाक है। इस बी कांग्रेस प्रवक्ता पवन खेड़ा ने कहा कि भाजपा देशहित के मुद्दों पर ओछी राजनीति कर रही है।

## भारत की बांग्लादेश पर इकोनॉमिक स्ट्राइक, लैंड पोर्ट्स बंद, 770 मिलियन डॉलर का दिया झटका

नई दिल्ली,19 मई (एजेंसी)। पहलगाम आतंकी हमले के बाद भारत ने पाकिस्तान पर सख्त कार्रवाई के साथ-साथ अब उन देशों के खिलाफ भी एक्शन मोड में आ गया है जो पाकिस्तान और चीन के करीबी माने जाते हैं। इस लिस्ट में अब बांग्लादेश का नाम भी जुड़ गया है। भारत ने बांग्लादेश के लिए बड़ी इकोनॉमिक स्ट्राइक करते हुए उसके लैंड पोर्ट्स के ज़रिए व्यापार पर कड़ा प्रतिबंध लगा दिया है। इस फैसले से बांग्लादेश को करीब 770 मिलियन डॉलर (9,367 करोड़ बांग्लादेशी टका) का तगड़ा झटका लग सकता है। लैंड रूट बंद होने के चलते जमीनी बंदरगाहों पर जाम लग गया है। ट्रक सामान लादे खड़े हैं।

पिछले दिनों चीन में बांग्लादेश के एक प्रतिनिधि मोहम्मद युनूस द्वारा भारत विरोधी टिप्पणियां की गईं, जिसके बाद भारत सरकार ने सख्त रुख अपनाया। इसके चलते भारत ने बांग्लादेश को दी गई ट्रांसशिपमेंट सुविधा को 9 अप्रैल 2025 को वापस ले लिया। यह वही सुविधा थी जिसके तहत बांग्लादेश भारतीय बंदरगाहों और दिल्ली एयरपोर्ट के ज़रिए मिडल ईस्ट और यूरोप को माल एक्सपोर्ट करता था।

भारत ने अब रेडीमेड गारमेंट्स, प्रोसेस्ड फूड्स और प्लास्टिक प्रोडक्ट्स जैसे बांग्लादेशी सामानों के लिए लैंड पोर्ट्स को पूरी तरह बंद कर दिया है। विदेश व्यापार महानिदेशालय के नए निर्देशों के मुताबिक, बांग्लादेश से भारत में इन प्रोडक्ट्स का आयात अब केवल दो समुद्री बंदरगाहों ङ्क कोलकाता और न्हावा शेवा (महाराष्ट्र) ङ्क के ज़रिए ही किया जा सकेगा।

ग्लोबल ट्रेड रिसर्च इनिशिएटिव की ताज़ा रिपोर्ट के अनुसार, भारत के इस फैसले से बांग्लादेश को भारी नुकसान उठाना पड़ेगा। रिपोर्ट बताती है कि अब तक भारत-बांग्लादेश के बीच होने वाले कुल व्यापार का करीब 93त्न हिस्सा लैंड पोर्ट्स से आता था। इन बंदरगाहों के बंद होने से न केवल एक्सपोर्ट की लागत बढ़ेगी, बल्कि इससे बांग्लादेश के सबसे फायदेमंद एक्सपोर्ट रूट पर सीधा असर पड़ेगा।

ग्लोबल रिपोर्ट के मुताबिक, अकेले रेडीमेड गारमेंट्स की सालाना वैल्यू करीब 618 मिलियन डॉलर है, जो अब सिर्फ दो सी-पोर्ट्स से होकर ही भारत पहुंचेगी।